vinetur

Gramona ने दाख-बागानों के लिए तीन-स्तरीय वर्गीकरण प्रणाली पेश की

पारिवारिक वाइनरी का कहना है कि मिट्टी, सूक्ष्मजलवायु और खेती पर समय के साथ नज़र रखने वाला यह आंतरिक मॉडल मिश्रण और एकल-दाख-बागान वाइन की बॉटलिंग का मार्गदर्शन करेगा

बुधवार, 18 नवंबर 2026



स्पेन के Sant Sadurní d'Anoia में स्थित पारिवारिक वाइनरी Gramona ने अपने दाख-बागानों के लिए एक नई वर्गीकरण प्रणाली शुरू की है। वाइनरी का कहना है कि इसका उद्देश्य अपनी ज़मीन से जुड़ी पीढ़ियों की जानकारी को व्यवस्थित करना और हर भूखंड तथा उससे बनने वाली वाइन के बीच संबंध को अधिक स्पष्ट करना है।

कंपनी ने नवंबर में बताया कि नए ढाँचे में उसके दाख-बागानों को तीन श्रेणियों में बाँटा गया है : वर्गीकृत दाख-बागान, विशिष्ट दाख-बागान और अनन्य दाख-बागान। यह प्रणाली वाइनरी के भूखंडों के एक अध्ययन पर आधारित है, जिसमें मिट्टी, सूक्ष्मजलवायु, पौध-सामग्री और बायोडायनामिक खेती के दीर्घकालिक प्रभावों की पड़ताल की गई। Gramona ने कहा कि इस मॉडल से उसे हर विंटेज में अलग-अलग भूखंडों के अंगूरों को मिलाने के तरीके तय करने में मदद मिलेगी, साथ ही वह मूल स्थान की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति को बनाए रख सकेगी।

यह परियोजना दाख-बागानों में वर्षों के अवलोकन के बाद शुरू हुई है और उस परिवार के काम को दर्शाती है जो 19वीं सदी

के मध्य से वाइन बना रहा है। Gramona ने कहा कि उसने मिट्टी, कृषि-विज्ञान और बायोडायनामिक अंगूर-खेती के विशेषज्ञों के साथ मिलकर यह प्रणाली विकसित की। वाइनरी के अनुसार, इसका लक्ष्य अपने दाख-बागानों के बीच मूल्य के आधार पर कोई स्थायी श्रेणी-क्रम बनाना नहीं, बल्कि विश्लेषण और प्रबंधन के लिए एक कार्यकारी साधन तैयार करना है, जिससे हर भूखंड की विशेषताओं की पहचान हो सके और वाइन बनाने की उसकी क्षमता का आकलन किया जा सके।

वाइनरी के तकनीकी निदेशक और वाइनमेकर Roc Gramona, जो परिवार की छठी पीढ़ी के सदस्य हैं, ने कहा कि यह प्रणाली उन दाख-बागानों का अधिक व्यवस्थित आकलन करने की ज़रूरत से विकसित हुई, जिन्हें लंबे समय से व्यवहार और अनुभव के आधार पर समझा जाता रहा है। उन्होंने कहा, "इस वर्गीकरण प्रणाली को स्थापित करने की ज़रूरत इसलिए महसूस हुई ताकि काम को व्यवस्थित किया जा सके, हम अपने यहाँ किए जाने वाले काम को लेकर अधिक कठोर हो सकें और जो हम पहले से सहज-बोध के आधार पर कर रहे थे, उसे बेहतर बना सकें।"

नई प्रणाली के तहत, वर्गीकृत दाख-बागानों की श्रेणी में वे भूखंड आते हैं जिनमें Gramona के अनुसार मिट्टी की संरचना और बनावट की अभिव्यक्ति लगातार दिखाई देती है, जबकि हर फसल-वर्ष के अंतर भी उसमें झलकते हैं। वाइनरी ने कहा कि ये दाख-बागान मिश्रणों का आधार बनते हैं, जो उसकी वाइनों के लिए अब भी केंद्रीय महत्व रखते हैं। उसके मुताबिक, इनकी भूमिका क्षेत्र की अलग-अलग अभिव्यक्तियों को एक साथ लाकर संतुलन और जटिलता प्रदान करना है।

विशिष्ट दाख-बागानों की श्रेणी उन भूखंडों के लिए है जहाँ कई कारक समय के साथ लगातार एक साथ दिखाई देते हैं, न कि केवल कोई एक गुण अलग से उभरता है। Gramona ने कहा कि इन दाख-बागानों से स्थान की अधिक स्पष्ट अभिव्यक्ति मिलती है और ऐसी वाइन बनती हैं जिनकी पहचान मज़बूत तथा आसानी से पहचानी जा सकती है और जो अपने मूल स्थान से जुड़ी होती हैं।

शीर्ष श्रेणी, अनन्य दाख-बागान, उन भूखंडों के लिए है जिनसे वाइनरी को लगता है कि उनकी विशेषताओं की सबसे सटीक अभिव्यक्ति मिल सकती है। Gramona ने कहा कि इन स्थलों के अंगूर गहराई, जटिलता और परिपक्व होने की क्षमता प्रदान करते हैं। फिर भी, इन भूखंडों की वाइन को एकल-दाख-बागान वाइन के रूप में केवल उन्हीं वर्षों में बोतलबंद किया जाएगा जिन्हें वाइनरी असाधारण मानती है। इसका अर्थ है कि हर भूखंड का अंतिम उपयोग इस पर निर्भर करेगा कि किसी खास विंटेज का विकास कैसा होता है।

साल-दर-साल होने वाले बदलावों पर यह ज़ोर नई प्रणाली का मुख्य आधार है। Gramona ने इस मॉडल को स्थिर के बजाय गतिशील बताया और कहा कि अधिक जानकारी जुटने तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़े बदलावों सहित बढ़ती परिस्थितियों में परिवर्तन के अनुरूप यह विकसित होता रहेगा। Roc Gramona ने कहा कि वर्गीकरण को जानबूझकर ऐसा बनाया गया है कि वह कठोर न हो जाए। उन्होंने कहा, "इस वर्गीकरण की खासियत यह है कि यह स्थिर या कठोर प्रणाली नहीं है, जैसा Champagne या Burgundy जैसे फ्रांस के बड़े क्षेत्रों में है। यह एक जीवंत प्रणाली है, जिससे हर विंटेज में किसी खास वाइन के मिश्रण के लिए प्रत्येक भूखंड की उपयुक्तता का आकलन करना संभव होगा।"

वाइनरी ने इस वर्गीकरण को खेती के उस व्यापक दृष्टिकोण से जोड़ा है, जिसके बारे में उसका कहना है कि इसका लक्ष्य दाख-बागानों की पहचान को सुरक्षित रखना है। कंपनी के अनुसार, Gramona दाख-बागानों के कुछ कामों में घोड़ों का इस्तेमाल करती है, बेलों पर सीधे ग्राफ्टिंग करती है और केवल अपनी ही पौध-सामग्री का उपयोग करती है। उसने यह भी कहा कि बायोडायनामिक सिद्धांत उसके दीर्घकालिक दाख-बागान प्रबंधन का हिस्सा हैं और खेत में प्रत्यक्ष अवलोकन के साथ तकनीकी तथा वैज्ञानिक अध्ययन भी किया जाता है।

1881 में स्थापित Gramona का इतिहास 140 वर्षों से अधिक पुराना है और यह लंबे समय तक परिपक्व की गई स्पार्कलिंग वाइनों के लिए जानी जाती है। कारोबार परिवार की पाँचवीं और छठी पीढ़ी के हाथों में है। कंपनी का कहना है कि उसके दाख-बागानों में Demeter मानकों के तहत 100% प्रमाणित जैविक और बायोडायनामिक तरीकों से खेती की जाती है। Gramona Catalonia में बने स्पार्कलिंग वाइन संघ Corpinnat की संस्थापक सदस्य भी है।

यह नया वर्गीकरण कानूनी अपीलीय दर्जों की प्रणाली नहीं, बल्कि वाइनरी की आंतरिक व्यवस्था है। फिर भी, यह दिखाता है कि Penedès क्षेत्र में गहरी जड़ें रखने वाली एक वाइनरी उन फैसलों को औपचारिक रूप देने की कोशिश कर रही है जो अक्सर परंपरा और अनुभव के आधार पर लिए जाते रहे हैं। मिट्टी, जलवायु, पौधों के चयन और खेती के तरीकों को प्रक्रिया के केंद्र में रखकर Gramona यह अधिक विस्तृत मानचित्र तैयार करना चाहती है कि हर दाख-बागान कैसे व्यवहार करता है और एक फसल-वर्ष से अगले तक उसका यह व्यवहार अंतिम वाइन को किस तरह आकार दे सकता है।